शोध प्रबंध का शीर्षक

"दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत मंडल कार्यालय रायपुर के कार्मिक प्रबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन"

प्रस्तावना

भारत एक विकासशील देश है जिसने अपनी विकास-यात्रा मिश्रित अर्थव्यवस्था के रूप में प्राम्भ की। प्रगतिशील औद्योगिकीकरण एवं उच्च औद्योगिक उत्पादकता की ओर अग्रसर भारतीय अर्थव्यवस्था के फलस्वरूप उद्योग, व्यापार एवं वाणिज्य का विकास हुआ। व्यापार एवं वाणिज्य का विकास विकसित परिवहन व्यवस्था की सहायता से ही संभव हो सका है।

भारतीय अर्थव्यवस्था में अंतर्देशीय परिवहन का मुख्य माध्यम रेल है। इस ऊर्जा सक्षम परिवहन माध्यम का बड़ी मात्रा में जन-शक्ति के आवागमन, वस्तुओं को लाने, ले जाने तथा लंबी दूरी की यात्रा के लिए महत्वपूर्ण योगदान है। भारतीय रेल एशिया का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है तथा एकल प्रबंधनाधीन विश्व का दूसरा सबसे बड़ा संगठन है। यह 150 वर्षों से भी अधिक समय तक भारत के परिवहन क्षेत्र का मुख्य संघटक रहा है।

प्रशासनिक एवं रेलों के परिचालन की सुविधा के दृष्टिकोण से भारतीय रेल को 17 जोनों में बाँटा गया है जिसमें से एक दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे का मुख्यालय छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर शहर में स्थित है। बिलासपुर जोन को पुनः 3 मंडलों में विभाजित किया गया है –

1. बिलासपुर मंडल
2. नागपुर मंडल
3. रायपुर मंडल

प्रत्येक संगठन के सुचारू संचालन हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारियों की सुनिश्चित व्यवस्था होती है। कार्मिक प्रबंध विषय में इससे सम्बन्धित समस्त प्रबंधकीय क्रियाएँ समाहित की गयी हैं जिनमें से प्रमुख हैं –

- भर्ती व चयन
- प्रशिक्षण और विकास
- कार्य परिचय
- प्रदर्शन का मूल्यांकन व प्रबंधन
- वेतन
- पदोन्नति एवं स्थानान्तरण
- सुरक्षा व्यवस्था
- अनुषंगिक लाभ

रायपुर रेल मंडल में कार्मिक विभाग की संरचना

<u>अधिकारी स्तर</u>

वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी

|

मंडल कार्मिक अधिकारी

|

सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी – I

(वाणिज्य एवं कल्याण)

सहायक मंडल कार्मिक अधिकारी - II

(बिल एवं भुगतान)

<u>कर्मचारी स्तर</u>

मुख्य कार्यालय अधीक्षक

|

कार्यालय अधीक्षक

|

वरिष्ठ लिपिक

|

लिपिक

|

भृत्य

उपरोक्त के अलावा भी रायपुर मंडल में तकनीकी कार्य हेतु अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यरत हैं।

शोध साहित्य का पुनरावलोकन

दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के मंडल कार्यालय रायपुर की स्थापना से आज तक इसके कार्मिक प्रबंध के पक्ष पर कोई ऐसा शोध कार्य नहीं किया गया है जो इसके सेवीवर्गीय प्रबंध के सभी पक्षों पर पर्याप्त प्रकाश डालता हो| यह सत्य है कि बिलासपुर रेलवे के एकाधिक पक्ष पर कुछ कार्य हुआ है जो इस मंडल कार्यालय के कार्मिक प्रबंध के अध्ययन एवं विश्लेषण के लिए अपर्याप्त है|

उद्देश्य

अनुसन्धान के लिए निश्चित किए गए उद्देश्य अनुसंधानकर्ता के लिए पथ-प्रदर्शक होते हैं| शोध कार्य को पूरा करने के लिए उद्देश्यों का निर्धारण आवश्यक होता है ताकि अध्ययन किसी पूर्व एवं सुनिश्चित उद्देश्य से परिपूर्ण हो सके|

इस शोध कार्य का प्रमुख उद्देश्य दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत मंडल कार्यालय रायपुर के कार्मिक प्रबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन करना अर्थात –

- भर्ती एवं चयन प्रक्रिया का अध्ययन
- प्रशिक्षण द्वारा श्रमिकों के कौशल-विकास का अध्ययन
- श्रमिकों को दिए जाने वाले वेतन एवं अन्य लाभ जैसे आवास, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सुरक्षा का अध्ययन
- अभिप्रेरणा द्वारा श्रमिकों की कार्य-क्षमता के विकास का अध्ययन
- श्रमिकों के कार्यस्थलीय सुरक्षात्मक व्यवस्था का अध्ययन
- पदोन्नति एवं स्थानान्तरण नीतियों का अध्ययन
- कर्मचारियों की अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति एवं संतुष्टि का अध्ययन

परिकल्पना

परिकल्पना एक कच्चा सिद्धान्त होता है| किसी भी शोध अध्ययन के सम्बन्ध में शोधकर्ता के मन में कुछ पूर्व-धारणाओं व विचारों का होना स्वाभाविक है| शोधकर्ता की प्रवृत्ति जिज्ञासु होती है जो उसे एक नयी दिशा प्रदान करती है|

अपने बिल्कुल प्रारंभिक चरणों में कोई सुविचारित अनुमान, कल्पना, पूर्व विचार, विचार अथवा सह-ज्ञान आदि अनुसन्धान का आधार बन जाता है| यह एक अस्थायी अनुमान होता है जिसके आधार पर शोधकर्ता शोध कार्य को सही दिशा दे सकता है|

निम्न परिकल्पनाएँ प्रस्तावित शोध प्रबंध का आधार होंगी –

- रेल मंडल रायपुर के श्रमिकों के भर्ती, चयन, शिक्षण-प्रशिक्षण, वेतन, पदोन्नति, स्थानान्तरण आदि के लिए क्या पद्धति अपनाई जा रही है
- कर्मचारी कल्याण हेतु प्रदान की गयी सुविधाएँ उनकी कार्य-क्षमता को बढ़ाने में सहायक रही हैं; फलस्वरूप मंडल की निरंतर प्रगति संभव हो सकी है
- अधिकारियों एवं कर्मचारियों के मध्य स्वस्थ सम्बन्ध का वातावरण

शोध अध्ययन का क्षेत्र

"दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत मंडल कार्यालय रायपुर के कार्मिक प्रबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन" शोध विषय का अध्ययन क्षेत्र रायपुर मंडल का कार्मिक प्रबंध है|

कार्मिक प्रबंध का क्षेत्र अत्यंत व्यापक है| किसी भी उद्योग, व्यापर या संगठन का कार्य कार्मिक प्रबंध के बिना संभव नहीं है| कार्मिक प्रबंध के अंतर्गत श्रमिकों की व्यवस्थित भर्ती, चयन, श्रमिकों को दिया जाने वाला वेतन, प्रशिक्षण, श्रमिक कल्याण कार्यक्रम, कर्मचारी नियोजन एवं मूल्यांकन, पदोन्नति तथा स्थानान्तरण आदि बातें सन्निहित होती हैं| रेल मंडल रायपुर के कार्मिक प्रबंध विभाग की उक्त नीतियाँ एवं कार्यक्रम ही शोध-अध्ययन का क्षेत्र होंगे|

प्रस्तावित कार्य का शोध-क्षेत्र में योगदान

कार्मिक प्रबंध प्रबंधन का वह क्षेत्र है जो श्रम-शक्ति के चयन, विकास, अनुरक्षण एवं उपयोग सम्बन्धी नियोजन, संगठन और नियंत्रण आदि ऐसे कार्यों से सम्बंधित है जिसके द्वारा संगठन अपने उद्देश्यों को प्रभावशाली एवं मितव्ययितापूर्ण ढंग से प्राप्त कर सके तथा श्रम-समुदाय के हितों की भी अधिकतम सीमा तक प्राप्ति हो सके|

प्रस्तावित शोध कार्य श्रम-समुदाय एवं प्रबंधन दोनों के लिए उपयोगी सिद्ध होगा| श्रम-समुदाय को संगठन की नीतियों, उद्देश्यों एवं कार्यक्रमों की सम्यक जानकारी प्राप्त हो सकेगी और वे संगठन के क्रिया-कलापों के संचालन में अपना अधिकतम योगदान दे सकेंगे| साथ ही प्रबंधन को श्रम-समुदाय की आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं को समझने में सहायता प्राप्त हो सकेगी जिससे योजनाबद्ध तरीके से उनकी पूर्ति करके उन्हें संतुष्ट किया जा सके|

शोध-प्रविधि

शोध-अध्ययन की प्रविधि अनुसन्धान को एक दिशा प्रदान करती है| शोध संरचना में सूचनाएँ चाहे प्रकाशित हों या ना हों, शोध संरचना के तथ्य को प्रांजल बनाती हैं|

प्रस्तुत शोध प्रबंध के अंतर्गत मुख्य रूप से आँकड़ों का संकलन, वर्गीकरण, सारणीयन एवं अवलोकन प्राथमिक एवं द्वितीयक समंकों के आधार पर किया जाना है| साथ ही परिचर्चा व साक्षात्कार द्वारा विषय-तथ्य का सत्यापन किया जाना है| एकत्रित तथ्यों को सुव्यवस्थित करके उनका विश्लेषण व व्याख्या किया जाना है ताकि विषय के सम्बन्ध में सच्चे ज्ञान की प्राप्ति हो सके|.

विषय-सामग्री का संकलन करने के लिए "रायपुर मंडल के कार्मिक प्रबंध का विश्लेष्णात्मक अध्ययन" प्राथमिक एवं द्वितीयक समंकों पर आधारित होगा| प्राथमिक समंकों के लिए विभागीय अधिकारियों व उनसे सम्बंधित कर्मचारियों से प्रत्यक्ष संपर्क के माध्यम से आवश्यक सूचनाएँ एकत्र की जानी हैं| तत्पश्चात उनके निष्कर्ष के माध्यम से प्राप्त समंकों का विश्लेषण किया जाना है| द्वितीयक समंकों के लिए ग्रंथालय – पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, ग्रंथालय – गुरु घासी दास विश्वविद्यालय बिलासपुर, ग्रंथालय – दुर्गा महाविद्यालय रायपुर, रेल मंडल रायपुर, पुस्तकें, पत्रिकायें एवं इन्टरनेट आदि की सहायता से आँकड़े एकत्रित कर शोध-कार्य को सम्पन्न किया जाना है|

अध्याय-संयोजन

अध्याय – 1: प्रस्तावना

1.1 शोध-प्रबंध का परिचय
1.2 शोध-प्रबंध का उद्देश्य
1.3 शोध-प्रबंध की परिकल्पनाएँ
1.4 शोध-प्रबंध का क्षेत्र
1.5 शोध-अध्ययन की प्रविधि
1.6 शोध-अध्ययन की सीमाएँ

अध्याय – 2: रेलवे का परिचय

2.1 भारतीय रेल का परिचय
2.2 दक्षिण-पूर्व मध्य रेलवे जोन बिलासपुर का परिचय
2.3 रेल मंडल रायपुर का परिचय

अध्याय – 3: कार्मिक प्रबंध का अध्ययन

3.1 कार्मिक प्रबंध का अर्थ
3.2 कार्मिक प्रबंध का उद्देश्य
3.3 कार्मिक प्रबंध की विशेषताएँ
3.4 कार्मिक प्रबंध का क्षेत्र
3.5 कार्मिक प्रबंध का महत्त्व

अध्याय – 4: रेल मंडल रायपुर के कार्मिक प्रबंध का अध्ययन

4.1 कार्मिक प्रबंध विभाग का परिचय
4.2 भर्ती एवं चयन प्रक्रिया
4.3 प्रशिक्षण एवं विकास कार्यक्रम
4.4 श्रमिकों की कार्य-स्थिति
4.5 श्रम कल्याण व्यवस्था

अध्याय – 5: रेल मंडल रायपुर के कार्मिक प्रबंध के आँकड़ों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

5.1 श्रमिकों की संख्या का अध्ययन
5.2 श्रमिकों के वेतन एवं भत्तों का अध्ययन
5.3 श्रमिकों के पदोन्नति एवं स्थानान्तरण का अध्ययन
5.4 श्रमिकों के नियोजन एवं मूल्यांकन का अध्ययन

अध्याय – 6: मानवीय सम्बन्ध

6.1 अभिप्रेरणा

6.2 मनोबल

6.3 अनुशासन

6.4 सम्प्रेषण

अध्याय – 7: रेल मंडल रायपुर के कार्मिक प्रबंध की समस्याएँ एवं सुझाव

7.1 कार्मिक प्रबंध विभाग की समस्याएँ एवं सुझाव

7.2 श्रमिकों की समस्याएँ एवं सुझाव

अध्याय – 8: निष्कर्ष एवं उप-संहार

8.1 निष्कर्ष

8.2 उप-संहार

नोटः शोध कार्य में प्रगति के साथ अध्यायों के शीर्षकों एवं उपशीर्षकों में परिवर्तन होना सम्भव है।

सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची

क्र.	लेखक का नाम	विषय	प्रकाशक / संकलन	वर्ष
1.	गोयल डॉ. चंद्र प्रकाश पाण्डेय डॉ. बालेश्वर	कार्मिक प्रबंध – सिद्धांत और व्यवहार	उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ	1978
2.	मामोरिया डॉ. चतुर्भुज मामोरिया डॉ. सतीश दशोरा डॉ. मोहन लाल	सेवीवर्गीय प्रबंध एवं औद्योगिक सम्बन्ध	साहित्य भवन पब्लिशर्स	2007
3.	कटारिया डॉ. सुरेन्द्र	कार्मिक प्रशासन	आर बी एस ए पब्लिशर्स, जयपुर	1977
4.	अग्रवाल आर सी अग्रवाल संजय	भारत में श्रम अधिनियम	साहित्य भवन पब्लिशर्स	2008
5.	भारती डॉ. आर के पाण्डेय डॉ. के सी	सेवीवर्गीय प्रबंध	मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, भोपाल	1993
6.	सिन्हा डॉ. वी सी सिन्हा पुष्पा	श्रम अर्थशास्त्र	मयूर पेपर बैक संस्करण	1998
7.	सक्सेना डॉ. एस सी	सेवीवर्गीय प्रबंध	साहित्य भवन पब्लिशर्स, आगरा	1996
8.	नॉर्थकाट सी एच	कार्मिक प्रबंध	राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर	1997
9.	गुप्ता प्रो. टी पी	औद्योगिक संगठन एवं कर्मचारी प्रबंध	साहित्य भवन पब्लिशर्स, आगरा	1984
10.	सिंह डॉ. देवेन्द्र प्रताप नारायण	कार्मिक प्रबंध	बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना	2000
11.	जगदीश प्रकाश	औद्योगिक संगठन एवं सेवीवर्गीय प्रबंध	विकास पब्लिशिंग हाउस, गाज़ियाबाद	1981
12.	जैन डॉ. सी एम शर्मा डॉ. हरिशचन्द्र	सेवीवर्गीय प्रशासन	रिसर्च पब्लिकेशन, दिल्ली	1984
13.	कुम्भट डॉ. जे आर मित्तल एस के	कार्मिक प्रबंध एवं औद्योगिक सम्बन्ध	किताब महल, इलाहाबाद	1982
14.	सिंह डॉ. देवेन्द्र प्रताप नारायण	औद्योगिक सम्बन्ध एवं श्रम समस्याएँ	बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना	1979
15.	शर्मा एवं शर्मा	मानव संसाधन प्रबंध	रमेश बुक डिपो	2002
16.	अग्रवाल आर सी	प्रबंध के सिद्धांत	साहित्य भवन पब्लिकेशन्स	2002
17.	पाटनी आर एल	सेवीवर्गीय प्रबंध	साहित्य भवन पब्लिकेशन्स	2000

18. www.indianrailways.co.in/railwayboard
19. www.secr.indianrailways.com
20. www.indianrailwayemployee.com
21. www.wikipedia.org

शोधकर्ता का प्रकाशन

शोधकर्ता के द्वारा दो पेपर पब्लिकेशन में प्रकाशन हेतु प्रेषित किये गए हैं।

निर्देशक:

डॉ. एल. एन. वर्मा

प्राध्यापक – वाणिज्य विभाग

शासकीय बी. पी. कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय

आरंग, जिला – रायपुर (छ.ग.)

डॉ. एल. एन. वर्मा
सहायक प्राध्यापक "वाणिज्य"
शास. महाविद्यालय, आरंग
जिला रायपुर (छ.ग.)

सह-निर्देशक:

डॉ. राजेंद्र शुक्ला

प्राध्यापक – वाणिज्य विभाग

दुर्गा महाविद्यालय

रायपुर (छ.ग.)

शोधकर्ता:

सुधा साहू

पीएच. डी. स्कालर - वाणिज्य

दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)

PRINCIPAL,
DURGA MAHAVIDYALAYA
RAIPUR. (C.G.)